

Protected Area Network, Marine Protected Areas & Mangroves (Hindi)

Protected Areas of India

भारत में, संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया है। ये संरक्षित क्षेत्र मुख्य रूप से वन्यजीवों और उनके आवास की रक्षा करने और उनके पारिस्थितिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए हैं।

इनका उपयोग या तो वन्यजीव आवास या वन्यजीव गलियारे के रूप में किया जाता है।

एक बार जब कोई क्षेत्र संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क के तहत अधिसूचित हो जाता है, तो वन कार्य योजना को वन्यजीव संरक्षण योजना द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

Protected Areas of India (As on July, 2023)

Legal Status of Protected Area	Nos.	Total Area (sq.km.)	Coverage % of Country
National Park	106	44,402.94	1.35
Wildlife Sanctuary	573	127,197.55	3.87
Community Reserve	220	1,455.15	0.04
Conservation Reserves	123	5,585.05	0.17
Total PAs	1022	1,78,640.69	5.43

नेशनल पार्क

- किसी क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया जा सकता है यदि उसमें निम्नलिखित में से कोई एक हो:
 1. पारिस्थितिक महत्व
 2. जन्तु महत्व
 3. पदपीय महत्व
 4. भू-आकृति विज्ञान संबंधी महत्व
 5. प्राणीशास्त्रीय महत्व
- इसका उद्देश्य वन्य जीवन या उसके पर्यावरण की रक्षा या विकास करना है।

- राष्ट्रीय उद्यान केंद्र या राज्य द्वारा स्थापित किए जा सकते हैं लेकिन अंततः राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा कई तरीकों से शासित होते हैं।
- कुछ शर्तों के तहत मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा अनुमति दी गई गतिविधियों को छोड़कर, राष्ट्रीय उद्यान में किसी भी मानवीय गतिविधि की अनुमति नहीं है।
- भारत में वर्तमान में 106 राष्ट्रीय उद्यान हैं।
- ये पार्क 44,402.95 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करते हैं।
- उनका अपना प्रशासनिक सेटअप होता है।
- इन्हें केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता मिलती है।
- इन्हें कोर और बफर में बांटा जाता है।
 - कोर क्षेत्र अत्यधिक संरक्षित होता है। इस क्षेत्र के भीतर किसी भी मानवीय गतिविधि की अनुमति नहीं है। वे वन्यजीव संरक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।
 - बफर क्षेत्र में, राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन द्वारा अनुमति के अनुसार बहुत सीमित मानवीय गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है।
- राष्ट्रीय उद्यानों की अधिकतर सीमाएँ स्पष्ट होती हैं और कई में बाड़ से बनी होती हैं।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी के बिना राष्ट्रीय उद्यान की किसी भी भूमि को गैर-वन प्रयोजन के लिए हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय उद्यान की सीमाओं में तब तक परिवर्तन की अनुमति नहीं है जब तक कि इसकी अनुमति राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड, जिसके अध्यक्ष भारत के प्रधान मंत्री हैं, द्वारा न दी जाए।

List of National Parks (As on July, 2023)

Name of State	No. of PAs	Name of Protected Area	Year of Creation	Area (in km ²)
Andhra Pradesh	1	Papikonda	2008	1012.8588
	2	Rajiv Gandhi (Rameswaram)	2005	2.3952
	3	Sri Venkateswara	1989	353.62
Arunachal Pradesh	1	Mouling	1986	483.00
	2	Namdapha	1983	1807.82
Assam	1	Dibru-Saikhowa	1999	340.00
	2	Dihing Patkai	2021	234.26
	3	Kaziranga	1974	889.51

	4	Manas	1990	500.00
	5	Nameri	1998	200.00
	6	Rajiv Gandhi (Orang)	1999	78.81
	7	Raimona	2021	422.00
Bihar	1	Valmiki	1989	335.65
Chhattisgarh	1	Guru Ghasidas (Sanjay)	1981	1440.71
	2	Indravati (Kutru)	1982	1258.37
	3	Kanger Valley	1982	200.00
Goa	1	Mollem	1992	107.00
Gujarat	1	Blackbuck (Velavadar)	1976	34.53
	2	Gir	1975	258.71
	3	Marine (Gulf of Kachchh)	1982	162.89
	4	Vansda	1979	23.99
Haryana	1	Kalesar	2003	46.82
	2	Sultanpur	1989	1.43
Himachal Pradesh	1	Great Himalayan	1984	754.40
	2	Inderkilla	2010	94.00
	3	Khirganga	2010	705.00
	4	Pin Valley	1987	675.00
	5	Col. Sherjung Simbalbara	2010	27.88
Jharkhand	1	Betla	1986	226.33
Karnataka	1	Anshi	1987	417.34
	2	Bandipur	1974	872.24
	3	Bannerghatta	1974	260.51
	4	Kudremukh	1987	600.57
	5	Nagarahole (Rajiv Gandhi)	1988	643.39
Kerala	1	Anamudi Shola	2003	7.50
	2	Eravikulam	1978	97.00

	3	Mathikettan Shola	2003	12.82
	4	Pambadum Shola	2003	1.32
	5	Periyar	1982	350.00
	6	Silent Valley	1984	89.52
Madhya Pradesh	1	Bandhavgarh	1968	448.842
	2	Dinosaur Fossils	2011	0.897
	3	Fossil	1983	0.27
	4	Pench	1975	292.857
	5	Kanha	1955	941.793
	6	Kuno	2018	748.761
	7	Madhav	1959	375.23
	8	Panna	1981	542.66
	9	Sanjay	1981	464.643
	10	Satpura	1981	528.729
	11	Van Vihar	1979	4.452
Maharashtra	1	Chandoli	2004	317.67
	2	Gugamal	1975	361.28
	3	Nawegaon	1975	133.88
	4	Pench (Jawaharlal Nehru)	1975	257.26
	5	Sanjay Gandhi (Borivilli)	1983	86.96
	6	Tadoba	1955	116.55
Manipur	1	Keibul-Lamjao	1977	40.00
	2	Shiroi	1982	100.00
Meghalaya	1	Balphakram	1986	220.00
	2	Nokrek Ridge	1997	47.48
Mizoram	1	Murlen	2003	100.00
	2	Phawngpui (Blue Mountain)	1997	50.00
Nagaland	1	Intanki	1993	202.02
Odisha	1	Bhitarkanika	1988	145.00
	2	Simlipal	1980	845.70

Rajasthan	1	Desert	1992	3162.00
	2	Keoladeo Ghana	1981	28.73
	3	Mukundra Hills	2006	200.54
	4	Ranthambhore	1980	282.00
	5	Sariska	1992	273.80
Sikkim	1	Khangchendzonga	1977	1784.00
Tamil Nadu	1	Guindy	1976	2.7057
	2	Gulf of Mannar Marine	1980	526.02
	3	Indira Gandhi (Annamalai)	1989	117.10
	4	Mudumalai	1990	103.23
	5	Mukurthi	1990	78.46
Telangana	1	Kasu Brahmananda Reddy	1994	1.425
	2	Mahaveer Harina Vanasthali	1994	14.59
	3	Mrugavani	1994	3.60
Tripura	1	Clouded Leopard	2007	5.08
	2	Bison (Rajbari)	2007	31.63
Uttar Pradesh	1	Dudhwa	1977	490.00
Uttarakhand	1	Corbett	1936	520.82
	2	Gangotri	1989	2390.02
	3	Govind	1990	472.08
	4	Nanda Devi	1982	624.60
	5	Rajaji	1983	820.00
	6	Valley of Flowers	1982	87.50
West Bengal	1	Buxa	1992	117.10
	2	Gorumara	1992	79.45
	3	Jaldapara	2014	216.34
	4	Neora Valley	1986	159.8917
	5	Singalila	1986	78.60
	6	Sunderban	1984	1330.10

Andaman & Nicobar Islands	1	Campbell Bay	1992	426.23
	2	Galathea Bay	1992	110.00
	3	Mahatama Gandhi Marine (Wandoor)	1983	281.50
	4	Mount Harriett	1987	46.62
	5	Rani Jhansi Marine	1996	320.06
	6	Saddle Peak	1987	32.54
Jammu & Kashmir	1	City Forest (Salim Ali)	1992	9.07
	2	Dachigam	1981	141.00
	3	Kazinag	2000	90.88
	4	Kishtwar High Altitude	1981	2191.50
Ladakh	1	Hemis	1981	3350.00

Wildlife Sanctuaries

- वन्यजीव अभयारण्य आरक्षित वनों या क्षेत्रीय जल को छोड़कर कोई भी क्षेत्र है, जिसे राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।
- इन क्षेत्रों का पर्याप्त पारिस्थितिक महत्व होना चाहिए
 1. जीव-जन्तु महत्व
 2. पुष्प महत्व
 3. भू-आकृति विज्ञान महत्व
 4. प्राकृतिक महत्व
 5. प्राणीशास्त्रीय महत्व
- यदि अभयारण्य क्षेत्र में भारत का क्षेत्रीय जल शामिल है, तो केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक है।
- कुछ मामलों में, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड राज्य सरकार को कुछ महत्वपूर्ण जंगली जीवों की सुरक्षा के लिए यदि आवश्यक हो तो एक वन्यजीव अभयारण्य स्थापित करने पर विचार करने की सलाह भी दे सकता है।
- अभयारण्य का उद्देश्य वन्य जीवन या उसके पर्यावरण की रक्षा, प्रचार-प्रसार या विकास करना है।
- अभयारण्य क्षेत्र के अंदर कुछ प्रतिबंधित मानवीय गतिविधियों की अनुमति है। आम तौर पर, स्वतंत्रता का स्तर राष्ट्रीय उद्यान के मामले में जो देखा जाता है उससे कहीं अधिक है।

- भारत में वर्तमान में 567 मौजूदा वन्यजीव अभयारण्य हैं, जो 125564.86 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हैं।
- Difference between a WLS and National Park:

मानदंड	वन्यजीव अभयारण्य	राष्ट्रीय उद्यान
स्थापना	आरक्षित वनों या क्षेत्रीय जल को छोड़कर, राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।	केंद्र या राज्य सरकार द्वारा स्थापित किया जा सकता है।
प्रशासन	संबंधित वन प्रभाग प्रशासन द्वारा प्रशासित।	अपना प्रशासन होता है।
फंडिंग	बड़े पैमाने पर या पूरी तरह से राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित। यदि किसी राष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण परियोजना के तहत इसका उपयोग किया जाता है, तो इसे केंद्रीय अनुदान भी प्राप्त होगा।	मुख्यतः केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।
जोनों में विभाजन	कोर एवं बफर जोन में विभाजित नहीं किया गया है।	इन्हें हमेशा कोर और बफर जोन में विभाजित किया जाता है।
मानवीय गतिविधियाँ	कुछ प्रतिबंधित मानवीय गतिविधियों की अनुमति है। मानवीय गतिविधियों के लिए स्वतंत्रता का स्तर आमतौर पर राष्ट्रीय उद्यान की तुलना में अधिक होता है।	कुछ शर्तों के तहत मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा अनुमत गतिविधियों को छोड़कर किसी भी मानवीय गतिविधि की अनुमति नहीं है।
प्रादेशिक जल समावेशन	यदि अभयारण्य क्षेत्र में भारत का क्षेत्रीय जल शामिल है, तो केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक है।	ऐसी किसी मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।
राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की भूमिका	राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड कुछ महत्वपूर्ण वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए यदि आवश्यक हो तो राज्य सरकार को एक वन्यजीव अभयारण्य स्थापित करने पर विचार करने की सलाह दे सकता है।	राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना को मंजूरी देने वाली मुख्य संस्था राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ही है।

Conservation Reserves

- संरक्षण अभयारण्य भारत में एक प्रकार के वन्यजीव संरक्षित क्षेत्र हैं।
- वे आम तौर पर स्थापित राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और भारत के आरक्षित और संरक्षित जंगलों के बीच बफर जोन या कनेक्टर और माइग्रेशन कॉरिडोर के रूप में कार्य करते हैं।
- ऐसे क्षेत्रों को संरक्षण क्षेत्र के रूप में नामित किया जाता है यदि वे निर्जन हैं और पूरी तरह से सरकार के स्वामित्व में हैं लेकिन समुदायों द्वारा जीवन-निर्वाह के लिए उपयोग किए जाते हैं।

विधान

- संरक्षण रिजर्व पहली बार वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2002 में पेश किए गए थे, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में एक संशोधन था।
- इन श्रेणियों को भूमि के निजी स्वामित्व और भूमि उपयोग के कारण मौजूदा संरक्षित क्षेत्रों में और उसके आसपास कम सुरक्षा के कारण जोड़ा गया था।

घोषणा और प्रबंधन

- राज्य सरकार सरकार के स्वामित्व वाले किसी भी क्षेत्र को, विशेष रूप से राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों से सटे और एक संरक्षित क्षेत्र को दूसरे से जोड़ने वाले क्षेत्र को, परिदृश्य, समुद्री दृश्यों, वनस्पतियों और जीवों और उनके आवास की रक्षा के लिए संरक्षण रिजर्व के रूप में घोषित कर सकती है।
- यदि संरक्षण रिजर्व में केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली कोई भूमि शामिल है, तो ऐसी घोषणा करने से पहले इसकी पूर्व सहमति प्राप्त की जानी चाहिए।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधान संरक्षण रिजर्व पर उसी तरह लागू होते हैं जैसे वे किसी अभयारण्य पर लागू होते हैं।

संरक्षण रिजर्व प्रबंधन समिति

- राज्य सरकार मुख्य वन्यजीव वार्डन को संरक्षण रिजर्व के संरक्षण, प्रबंधन और रखरखाव के लिए सलाह देने के लिए एक संरक्षण रिजर्व प्रबंधन समिति का गठन करती है।

Community Reserves

- सामुदायिक अभयारण्य भारत में एक प्रकार का संरक्षित क्षेत्र है।
- वे किसी राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य या संरक्षण रिजर्व का हिस्सा नहीं हैं।

घोषणा

- राज्य सरकार किसी भी निजी या सामुदायिक भूमि को सामुदायिक रिजर्व घोषित कर सकती है।
- यह वहां संभव है जहां समुदाय या किसी व्यक्ति ने वन्यजीव और उसके आवास के संरक्षण के लिए स्वेच्छा से भूमि दी है।
- इसका उद्देश्य जीव-जंतुओं, वनस्पतियों और पारंपरिक या सांस्कृतिक संरक्षण मूल्यों और प्रथाओं की रक्षा करना है।

प्रबंध

- सामुदायिक रिजर्व घोषित करने की अधिसूचना जारी होने के बाद, सामुदायिक रिजर्व के भीतर भूमि उपयोग पैटर्न में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।
- राज्य सरकार एक सामुदायिक रिजर्व प्रबंधन समिति का गठन करती है।
- यह समिति सामुदायिक रिजर्व के संरक्षण, रखरखाव और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।
- समिति में ग्राम पंचायत द्वारा या जहां ऐसी पंचायत मौजूद नहीं है, वहां ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा नामित कम से कम पांच प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- इसमें राज्य वन या वन्यजीव विभाग का एक प्रतिनिधि भी शामिल है जिसके अधिकार क्षेत्र में सामुदायिक रिजर्व स्थित है।
- समिति एक अध्यक्ष का चुनाव करती है जो मानद वन्य जीवन वार्डन भी होगा।

- कोई भी बदलाव प्रबंधन समिति द्वारा पारित और राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार होना चाहिए।

Marine Protected Areas

परिभाषा

समुद्री संरक्षित क्षेत्र (MPA) महासागर में एक ऐसा निर्दिष्ट स्थान होता है जहाँ मानव गतिविधियों को आस-पास के पानी की तुलना में अधिक सख्ती से नियंत्रित किया जाता है। इन क्षेत्रों की रक्षा विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा प्राकृतिक या ऐतिहासिक समुद्री संसाधनों के लिए की जाती है, जिनमें स्थानीय, राज्य, क्षेत्रीय, स्वदेशी, क्षेत्रीय या राष्ट्रीय निकाय शामिल हो सकते हैं।

प्रायद्वीपीय भारत में समुद्री संरक्षित क्षेत्र

मुख्य तथ्य

- कुल MPAs की संख्या: 26
- कुल क्षेत्रफल: 7,300.51 किमी²
- राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या: 0
- वन्यजीव अभयारण्यों की संख्या: 26
- आवृत राज्य और केंद्र शासित प्रदेश: तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, दमन और दीव, गोवा, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल।

उदाहरण

- तमिलनाडु
 - पलक खाड़ी में डुगोंग संरक्षण रिजर्व: 448.34 किमी² (सूचित 2022 में)
 - गुल्फ ऑफ मन्नार मरीन पार्क: 526.02 किमी² (सूचित 1986 में)
 - प्वाइंट कलीमेरे वन्यजीव अभयारण्य: 124.07 किमी² (सूचित 2013 में)
- आंध्र प्रदेश
 - पुलिकट झील पक्षी अभयारण्य: 600 किमी² (सूचित 1980 में)
 - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य: 235.7 किमी² (सूचित 1978 में)
- गुजरात
 - समुद्री (कच्छ की खाड़ी): 295.03 किमी² (सूचित 1980 में)
 - खिजड़िया वन्यजीव अभयारण्य: 6.05 किमी² (सूचित 1981 में)
- ओडिशा
 - भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य: 525 किमी² (सूचित 1975 में)

- गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य: 1,435 किमी² (सूचित 1997 में)
- पश्चिम बंगाल
 - सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान: 1,330.1 किमी² (सूचित 1984 में)
 - पश्चिम सुंदरबन वन्यजीव अभयारण्य: 556.45 किमी² (सूचित 2013 में)

भारत के द्वीपीय क्षेत्रों में समुद्री संरक्षित क्षेत्र

मुख्य तथ्य

- कुल MPAs की संख्या: 102
- कुल क्षेत्रफल: 2,314.41 किमी²
- राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या: 8
- वन्यजीव अभयारण्यों की संख्या: 94

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह

- कुल MPAs की संख्या: 98
- कुल क्षेत्रफल: 2,172.41 किमी²
- राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या: 7
- वन्यजीव अभयारण्यों की संख्या: 91

उदाहरण

- कैंपबेल बे राष्ट्रीय उद्यान: 426.23 किमी² (सूचित 1996 में)
- रानी झाँसी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान: 320.06 किमी² (सूचित 2017 में, इसमें बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं)
- महात्मा गांधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान: 281.50 किमी² (सूचित 1999 में)

लक्षद्वीप द्वीपसमूह

- कुल MPAs की संख्या: 4
- कुल क्षेत्रफल: 142 किमी²
- राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या: 1
- वन्यजीव अभयारण्यों की संख्या: 3

उदाहरण

- पिट्टी अभयारण्य: 40 किमी² (सूचित 2019 में)
- ए. अट्टकोया थंगल समुद्री संरक्षण रिजर्व: 344 किमी² (सूचित 2020 में)

- डॉ. के.के. मोहम्मद कोया समुद्री ककड़ी संरक्षण रिजर्व: 239 किमी² (सूचित 2020 में)

मैंग्रोव वन

- **परिभाषा:** अनोखे और उत्पादक आर्द्रभूमियाँ जो तटीय अंतर्ज्वारीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं।
- **स्थान:** मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अक्षांशों पर उगते हैं। ठंडे तापमान को सहन नहीं कर सकता.
- **प्रजातियाँ:** लगभग 80 विभिन्न प्रजातियाँ। लवण सहिष्णुता, कम ऑक्सीजन वाली मिट्टी, धीमी गति से बहने वाले पानी, बारीक तलछट वाले क्षेत्रों में।
- **Key Species in India:**
 - *Avicennia officinalis*
 - *Rhizophora mucronata*
 - *Sonneratia alba*
 - *Avicennia alba*
 - *Bruguiera cylindrica*
 - *Heritiera littoralis*
 - *Heritiera fomes* (Sundari Tree)
 - *Phoenix paludosa*
 - *Morinda citrifolia*
 - *Ceriops tagal*
- **जड़ प्रणाली:** प्रोप जड़ों की घनी उलझन से पहचानी जाती है। ज्वार-भाटा के दैनिक उतार-चढ़ाव को संभालें। अधिकांश में प्रति दिन कम से कम दो बार बाढ़ आती है।

पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं

- **तटरेखा स्थिरता:** तूफानी लहरों, धाराओं, लहरों और ज्वार से होने वाले कटाव को कम करके तटरेखा को स्थिर करते हैं।
- **आवास:** शिकारियों से भोजन और आश्रय चाहने वाली मछलियों और अन्य जीवों के लिए आकर्षक।

पारिस्थितिक कार्य

- **इंटरफ़ेस:** भूमि, महासागर और वायुमंडल के बीच इंटरफ़ेस पर।
- **ऊर्जा और पदार्थ प्रवाह:** इन प्रणालियों के बीच ऊर्जा और पदार्थ के प्रवाह के लिए केंद्र।
- **कार्य:** अपवाह और बाढ़ की रोकथाम, पोषक तत्वों और अपशिष्टों का भंडारण और पुनर्चक्रण, खेती, ऊर्जा रूपांतरण।

जलवायु विनियमन

- **ब्लू कार्बन सिस्टम:** प्रमुख ब्लू कार्बन सिस्टम, समुद्री तलछट में काफी मात्रा में कार्बन का भंडारण करते हैं।
- **जलवायु परिवर्तन नियामक:** जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण नियामक।

महत्त्व

- **बर्फर:** समुद्री और स्थलीय समुदायों के बीच एक बफर के रूप में कार्य।
- **सुरक्षा:** हानिकारक हवाओं, लहरों और बाढ़ से तटरेखाओं को सुरक्षित रखते हैं।
- **पानी की गुणवत्ता:** प्रदूषकों को फ़िल्टर करके और भूमि से तलछट को रोककर पानी की गुणवत्ता में सुधार।
- **कटाव नियंत्रण:** तटीय कटाव को कम करते हैं।
- **आवास:** विभिन्न प्रकार के स्थलीय जीवों के लिए आवास।
- **प्रजनन स्थल:** तटीय और अपतटीय मछली और शेलफिश की कई प्रजातियां अपने प्रजनन, अंडे देने और अंडे देने के आधार के रूप में विशेष रूप से मैंग्रोव पर निर्भर करती हैं।

भारत में

- **देश में मैंग्रोव आवरण:** 4,992 वर्ग किमी (कुल भौगोलिक क्षेत्र का 0.15%)
- **बहुत घना मैंग्रोव:** 1,475 वर्ग किमी (मैंग्रोव आवरण का 29.55%)
- **मध्यम सघन मैंग्रोव:** 1,481 वर्ग किमी (मैंग्रोव आवरण का 29.67%)
- **खुले मैंग्रोव:** 2,036 वर्ग किमी (मैंग्रोव आवरण का 40.78%)
- **मैंग्रोव कवर में वृद्धि (2019 की तुलना में):** 17 वर्ग किमी
- **मैंग्रोव कवर में महत्वपूर्ण लाभ वाले राज्य:** ओडिशा (8 वर्ग किमी), महाराष्ट्र (4 वर्ग किमी)
- **उत्तरी बंगाल की खाड़ी में स्थित सुंदरबन,** विश्व के सबसे बड़े संगत विस्तार के मैंग्रोव वनों को संघटित करते हैं। बांग्लादेश और भारत के लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को शामिल करने वाले सुंदरबन को यह विशेषता हासिल है कि वे विश्व के पहले मैंग्रोव वन हैं जिन्हें 1892 में ही वैज्ञानिक प्रबंधन के तहत रखा गया था।

Biosphere Reserves (Hindi)

परिभाषा और नामांकन

- BR (बायोस्फीयर रिज़र्व) एक अंतर्राष्ट्रीय नामांकन है जिसे यूनेस्को द्वारा MAB कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान किया जाता है।
- मैन एंड द बायोस्फीयर प्रोग्राम (MAB)** एक अंतर-सरकारी वैज्ञानिक कार्यक्रम है, जिसे 1971 में यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य लोगों और उनके पर्यावरण के बीच संबंधों के 'सुधार' के लिए एक वैज्ञानिक आधार स्थापित करना है।
- BR प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्यों के उन हिस्सों का प्रतिनिधित्व करता है जो बड़े क्षेत्रों में फैले हुए स्थलीय या तटीय/समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों या उनके संयोजन का विस्तार करते हैं।
- वे एक सामान्य राष्ट्रीय उद्यान या पशु अभयारण्य की तुलना में प्राकृतिक आवास के बड़े क्षेत्रों की रक्षा करते हैं, और अक्सर एक या अधिक राष्ट्रीय उद्यानों या रिज़र्वों को शामिल करते हैं, साथ ही उन बफर जोन को भी शामिल करते हैं जो कुछ आर्थिक उपयोगों के लिए खुले होते हैं। संरक्षण न केवल संरक्षित क्षेत्र के वनस्पति और जीवों को दिया जाता है, बल्कि उन मानव समुदायों को भी जो इन क्षेत्रों में निवास करते हैं, और उनके जीवन के तरीकों को भी संरक्षित किया जाता है।

उद्देश्य

- BR का नामांकन जैव विविधता के संरक्षण, आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रयास और संबंधित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण को मिलाने के लिए किया जाता है।

विशेषताएँ

- BR वे विशेष वातावरण होते हैं जहाँ मानव और प्रकृति दोनों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ होती हैं।
- यह मानव और प्रकृति के बीच सहअस्तित्व का जीता-जागता उदाहरण है, जहाँ दोनों एक-दूसरे की आवश्यकताओं का सम्मान करते हुए साथ रह सकते हैं।

बायोस्फीयर रिज़र्व (BR) के नामांकन के लिए मानदंड

- साइट में प्रकृति संरक्षण के लिए मूल्यवान और न्यूनतम रूप से विक्षुब्ध कोर क्षेत्र होना चाहिए।
- कोर क्षेत्र बायो-भौगोलिक इकाई का सामान्य प्रतिनिधित्व होना चाहिए और पारिस्थितिकी तंत्र के सभी ट्रॉफिक स्तरों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थायी आबादी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त बड़ा होना चाहिए।
- प्रबंधन प्राधिकरण को स्थानीय समुदायों की भागीदारी/सहयोग सुनिश्चित करना चाहिए ताकि जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास को जोड़ने के लिए विभिन्न ज्ञान और अनुभवों का लाभ उठाया जा सके, जबकि संघर्षों को प्रबंधित और नियंत्रित किया जा सके।
- क्षेत्रों में पारंपरिक जनजातीय या ग्रामीण जीवन के तरीकों के संरक्षण की संभावना होनी चाहिए ताकि पर्यावरण का सामंजस्यपूर्ण उपयोग किया जा सके।

बायोस्फीयर रिज़र्व की संरचना और कार्य

बायोस्फीयर रिज़र्व को निम्नलिखित तीन आपस में जुड़े क्षेत्रों में विभाजित किया गया है:

कोर जोन

- कोर जोन में कई पौधों और जंतु प्रजातियों के लिए उपयुक्त आवास होना चाहिए, जिसमें उच्च श्रेणी के शिकारी भी शामिल हैं, और इसमें स्थानिकता के केंद्र हो सकते हैं।
- कोर क्षेत्रों में अक्सर आर्थिक प्रजातियों के जंगली संबंधियों का संरक्षण किया जाता है और इनमें महत्वपूर्ण वैज्ञानिक रुचि रखने वाले महत्वपूर्ण आनुवंशिक भंडार होते हैं।
- कोर जोन आमतौर पर एक राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य होता है, जिसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित/विनियमित किया गया है।
- कोर जोन को प्रणाली के बाहरी मानवीय दबावों से मुक्त रखा जाना चाहिए।

बफर जोन

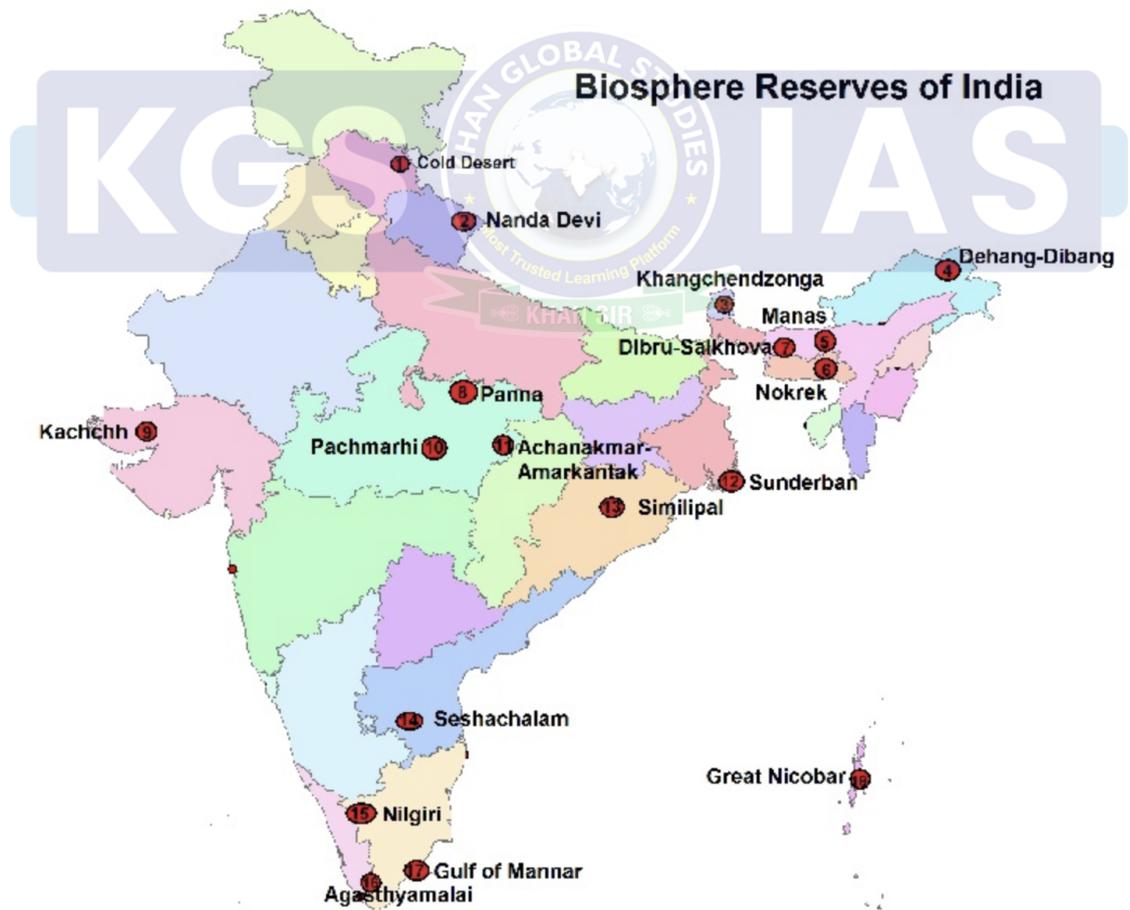
- बफर जोन कोर जोन से सटा हुआ या उसके आसपास होता है।
- इस क्षेत्र में उपयोग और गतिविधियों का प्रबंधन इस तरह किया जाता है कि यह कोर जोन को उसकी प्राकृतिक स्थिति में बनाए रखने में मदद करता है।
- इन उपयोगों और गतिविधियों में संसाधनों के मूल्य में वृद्धि के लिए पुनर्स्थापन, प्रदर्शन स्थल, सीमित मनोरंजन, पर्यटन, मछली पकड़ना, चराई, आदि शामिल हैं।
- अनुसंधान और शैक्षिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है।
- मानवीय गतिविधियाँ, यदि BR के भीतर स्वाभाविक हैं, तो वे जारी रह सकती हैं यदि वे पारिस्थितिक विविधता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं करती हैं।

संक्रमण क्षेत्र

- संक्रमण क्षेत्र एक बायोस्फीयर रिज़र्व का सबसे बाहरी हिस्सा होता है।
- यह एक सहयोग का क्षेत्र है जहाँ संरक्षण ज्ञान और प्रबंधन कौशल का उपयोग किया जाता है, और उपयोग को बायोस्फीयर रिज़र्व के उद्देश्य के साथ तालमेल में प्रबंधित किया जाता है।
- इसमें बस्तियाँ, कृषि भूमि, प्रबंधित वन, और क्षेत्रीय विशेषताओं के अनुरूप गहन मनोरंजन और अन्य आर्थिक उपयोग के क्षेत्र शामिल होते हैं।

भारत के BR

कुल मिलाकर भारत में 18 बायोस्फीयर रिज़र्व हैं।



भारत के बायोस्फीयर रिज़र्व

वर्ष	नाम	स्थान	राज्य	प्रकार	मुख्य जीव	क्षेत्रफल (km ²)
1986	नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व	वायनाड, नागरहोल, बांदीपुर और मुदुमलाई, नीलांबुर, साइलेंट वैली का हिस्सा	कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल	पश्चिमी घाट	लायन-टेल्ड मकाक (EN), नीलगिरि तहर (EN), मालाबार जाइंट गिलहरी (LC), नीलगिरि लंगूर (VU)	5520
1988	नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व	चमोली जिला, पिथौरागढ़ जिला और बागेश्वर जिला के हिस्से	उत्तराखंड	पश्चिमी हिमालय	स्नो लेपर्ड (VU), कस्तूरी मृग (EN), भाराल या ब्लू शीप (LC)	5860
1988	नोकरेक	पश्चिम गारो हिल्स में	मेघालय	पूर्वी पहाड़ियाँ	रेड पांडा (EN), हूलॉक गिबन (EN), रेड जाइंट फ्लाईंग गिलहरी (LC)	820
1989	मन्नार की खाड़ी	मन्नार की खाड़ी का भारतीय हिस्सा, जो उत्तर में रामेश्वरम द्वीप से लेकर तमिलनाडु और श्रीलंका के दक्षिण तक फैला हुआ है	तमिलनाडु	तटीय क्षेत्र	डुगोंग (VU), ऑलिव रिडले कछुए (VU)	10500
1989	सुंदरबन	गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली के डेल्टा का हिस्सा	पश्चिम बंगाल	गंगा डेल्टा	रॉयल बंगाल टाइगर (EN)	9630
1989	मानस	कोकराझार, बोंगाईगांव, बारपेटा, नलबाड़ी, कामरूप और दारंग जिलों का हिस्सा	असम	पूर्वी पहाड़ियाँ	असम रूफड कछुआ (EN), हिस्पिड खरगोश (EN), गोल्डन लंगूर (EN), पिग्मी हॉग (EN), जंगली जल भैंसा (EN), बंगाल फ्लोरिकन (CR)	2837
1989	ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिज़र्व	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दक्षिणी हिस्सा	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	द्वीप	डुगोंग (VU), नमक-पानी मगरमच्छ (LC)	885
1994	सिमिलिपाल	मयूरभंज जिले का हिस्सा	ओडिशा	दक्कन प्रायद्वीप	रॉयल बंगाल टाइगर (EN), जंगली हाथी (EN), गौर (VU), चौसिंगा (VU)	4374
1997	डिब्रू-सैखोवा	डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों का हिस्सा	असम	पूर्वी पहाड़ियाँ	बंगाल टाइगर (EN), क्लाउडेड लेपर्ड (VU), गंगेटिक डॉल्फिन (EN)	765
1998	दिहांग-दिबांग	सियांग और दिबांग घाटी का हिस्सा	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वी हिमालय	टाकिन (VU), रेड पांडा (EN)	5112
1999	पचमढ़ी बायोस्फीयर रिज़र्व	बैतूल जिला, होशंगाबाद जिला और छिंदवाड़ा जिला के हिस्से	मध्य प्रदेश	अर्ध-शुष्क क्षेत्र	टाइगर (EN), गौर (VU), इंडियन जाइंट फ्लाईंग गिलहरी (LC)	4981.72
2000	कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान	कंचनजंगा का हिस्सा	सिक्किम	पूर्वी हिमालय	रेड पांडा (EN), स्नो लेपर्ड (VU), कस्तूरी मृग (EN), ग्रेट तिब्बती भेड़ (आर्गली - NT)	2620

2001	अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिज़र्व	नेय्यर, पेप्पारा और शेंदुरुनी वन्यजीव अभयारण्य, कलक्कड मुंडथुरई बाघ अभयारण्य और उनके आसपास के क्षेत्र	केरल, तमिलनाडु	पश्चिमी घाट	नीलगिरि तहर (EN), एशियाई हाथी (EN)	3500.08
2005	अचनकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व	अनूपपुर, डिंडोरी और बिलासपुर जिलों का हिस्सा	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़	मैकाल हिल्स	चार-सिंग वाला मृग (VU), इंडियन वाइल्ड डॉग (VU), सारस क्रेन (EN), व्हाइट-रम्पड वल्चर (CR), सेक्रेड ग्रोव बुश फ्रॉग (LC)	3835
2008	ग्रेट रण ऑफ कच्छ	कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर और पाटन जिलों का हिस्सा; भारत का सबसे बड़ा बायोस्फीयर रिज़र्व	गुजरात	रेगिस्तान	ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (CR), इंडियन वाइल्ड गधा (NT)	12454
2009	ठंडा रेगिस्तान	पिन घाटी राष्ट्रीय उद्यान और आसपास के क्षेत्र; चंद्रताल और सारचु और किब्बर वन्यजीव अभयारण्य	हिमाचल प्रदेश	पश्चिमी हिमालय	स्नो लेपर्ड (VU), हिमालयन आइबेक्स (LC)	7770
2010	शेषाचलम हिल्स बायोस्फीयर	शेषाचलम हिल्स रेंज, चिचूर और कडपा जिलों का हिस्सा	आंध्र प्रदेश	पूर्वी पहाड़ियाँ	स्लेंडर लोरिस (LC), रेड सैंडर्स (NT), गोल्डन गेको (LC)	4755.997
2011	पन्ना	मध्य प्रदेश के पन्ना और छतरपुर जिलों का हिस्सा	मध्य प्रदेश	नम पर्णपाती वन	बंगाल टाइगर (EN), चीतल (LC), चिंकारा (LC), सांभर (VU), स्लॉथ बीयर (VU)	2998.98

कुंजी:

- **CR:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त / लुप्तप्राय (Critically Endangered)
- **EN:** संकटग्रस्त (Endangered)
- **VU:** असुरक्षित (Vulnerable)
- **NT:** निकट संकटग्रस्त (Near Threatened)
- **LC:** सबसे कम चिंता (Least Concern)
- **CR:** गंभीर संकटग्रस्त (Critically Endangered)

भारत के विश्व नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व्स (WNBR) के तहत बायोस्फीयर रिज़र्व्स

भारत के अठारह बायोस्फीयर रिज़र्व्स में से बारह यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन (UNESCO) के "मैन एंड द बायोस्फीयर" (MAB) प्रोग्राम के तहत वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व्स का हिस्सा हैं।

क्रमांक	बायोस्फीयर रिज़र्व	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	वर्ष
1	नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व	तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक	2000
2	मन्नार की खाड़ी बायोस्फीयर रिज़र्व	तमिलनाडु	2001
3	सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व	पश्चिम बंगाल	2001
4	नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व	उत्तराखंड	2004
5	नोकरेक बायोस्फीयर रिज़र्व	मेघालय	2009
6	पचमढी बायोस्फीयर रिज़र्व	मध्य प्रदेश	2009

7	सिमलीपाल बायोस्फीयर रिज़र्व	ओडिशा	2009
8	ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिज़र्व	अंडमान और निकोबार द्वीप	2013
9	अचनकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व	छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश	2012
10	अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिज़र्व	केरल, तमिलनाडु	2016
11	खांगचेंदजोंगा नेशनल पार्क	सिक्किम	2018
12	पन्ना बायोस्फीयर रिज़र्व	मध्य प्रदेश	2020

विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व्स का नेटवर्क (WNBR)

• परिचय

- यूनेस्को विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व्स का नेटवर्क (WNBR) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्दिष्ट संरक्षित क्षेत्रों को शामिल करता है, जिन्हें बायोस्फीयर रिज़र्व्स या नेचर रिज़र्व्स के रूप में जाना जाता है।
- इन रिज़र्व्स का उद्देश्य स्थायी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोगों और प्रकृति के बीच संतुलित संबंध को प्रदर्शित करना है।
- बायोस्फीयर रिज़र्व्स को मैन एंड द बायोस्फीयर प्रोग्राम (MAB) के तहत स्थापित किया जाता है।

• WNBR का मिशन

- WNBR का मिशन स्थायी विकास के लिए लोगों और प्रकृति के बीच सौहार्दपूर्ण समन्वय को बढ़ावा देना है।
- इसे निम्नलिखित के माध्यम से प्राप्त किया जाता है:
 - हितधारकों के बीच सहभागी संवाद।
 - ज्ञान का साझा करना और अनुभवों का आदान-प्रदान।
 - गरीबी उन्मूलन और मानव कल्याण में सुधार।
 - सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं का सम्मान।
 - जलवायु परिवर्तन से निपटने की समाज की क्षमता को बढ़ाना।

• WNBR का वैश्विक विस्तार

- 2022 तक, WNBR में 134 देशों में 738 बायोस्फीयर रिज़र्व्स शामिल हैं।
- इसमें 22 ट्रांसबाउंडरी साइट्स शामिल हैं, जहां रिज़र्व्स कई देशों में फैले हुए हैं।
- यह नेटवर्क वैश्विक है और दुनिया के सभी क्षेत्रों को कवर करता है।

• यूनेस्को क्षेत्रों द्वारा बायोस्फीयर रिज़र्व्स का वितरण

क्षेत्र	बायोस्फीयर रिज़र्व्स की संख्या	देशों की संख्या
अफ्रीका	86	31
अरब राज्य	35	14
एशिया और प्रशांत	168	40
यूरोप और उत्तरी अमेरिका	306	24
लैटिन अमेरिका और कैरिबियन	132	22